International Journal for Multidisciplinary Research (IJFMR)
E-ISSN: 2582-2160 ● Website: www.ijfmr.com ● Email: editor@ijfmr.com

महाकुम्भ–2025 के आर्थिक लाभों का अध्ययन

डॉ0 अशोक कुमार

असिस्टेंट प्रोफेसर–अर्थशास्त्र राजकीय महिला महाविद्यालय मिश्रिख, सीतापुर

Abstract

भारत में प्राचीन काल से ही मेले आयोजित करने की परम्परा विद्यमान रही है। ऐसा ही एक मेला भारत के उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले में प्रत्येक बारह वर्ष पर आयोजित होता है जिसे 'महाकुम्भ' नाम से जाना जाता है। यह दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक मेला है जिसमें लाखों श्रद्धालु प्रयागराज के संगम क्षेत्र में आस्था की डुबकी लगाते हैं। वर्ष 2025 के महाकुम्भ मेले में केन्द्र सरकार के सहयोग से उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा की गयी उच्चकोटि की डिजिटल व्यवस्था ने देश–विदेश के लाखों श्रद्धालुओं को आकर्षित किया है। देश–विदेश के लाखों श्रद्धालुओं के आवागमन के कारण उत्तर प्रदेश राज्य की अर्थव्यवस्था को अनेक आर्थिक लाभ प्राप्त हुए हैं। प्रस्तुत शोध पत्र महाकुम्भ–2025 के आर्थिक लाभों के अध्ययन को प्रस्तुत करता है।

कीवर्ड: पौराणिक, अनुष्ठान, रोजगार, अवसंरचनात्मक, होम स्टे, राजस्व प्राप्तियां, स्टार्टअप्स, एफ0एम0सी0जी0, जी0डी0पी0

महाकुम्भ भारतीय पौराणिक और सांस्कृतिक परंपरा में गहनता से समाहित है। इसकी उत्पत्ति हिन्दू पौराणिक कथा के समुद्र मंथन से मानी जाती है जहाँ अमृत की बूँदें प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक नामक चार स्थानों पर गिरी थीं। इन चारों स्थलों पर प्रत्येक तीन वर्ष पर क्रमवार कुम्भ मेले का आयोजन किया जाता है। इनमें से प्रत्येक 12 वर्ष पर प्रयागराज में आयोजित होने वाले पूर्ण कुम्भ या महाकुम्भ को सर्वाधिक शुभ माना जाता है। महाकुम्भ को यूनेस्को द्वारा अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के हिस्से के रूप में भी मान्यता दी गई है। महाकुम्भ–2025 एक वैश्विक आयोजन के रूप में विश्व पटल पर उभरा है। इस आयोजन में विश्व के 76 देशों के जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। यह सम्पूर्ण विश्व की भारत की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत के प्रति बढ़ती हुई रूचि को दर्शाता है। इंडिया टुडे की एक रिपोर्ट के अनुसार पवित्र संगम तट पर आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव करने वाले आगंतुकों की संख्या लगभग 30 लाख रही है। भूटान देश के राजा ने अपने प्रतिनिधि मंडल और अनेक गणमान्य व्यक्तियों के साथ संगम क्षेत्र में स्नान कर महाकुम्भ के अन्तर्राष्ट्रीय महत्व को स्थापित करने में महती भूमिका निभायी। पड़ोसी देश नेपाल से लगभग 5 लाख श्रद्धालुओं और अन्य 27 देशों के लगभग 2 लाख आंगतुकों के इस पवित्र आयोजन में शामिल होने के आंकड़े सामने आये हैं। एप्पल के सह–संस्थापक स्टीव जॉब्स की विधवा पत्नी लॉरेन पॉवेल जॉब्स ने महाकुम्भ–2025 में भाग लेकर अपने दिवंगत पति की इच्छा पूर्ण की। उन्होंने आवश्यक हिन्दू अनुष्ठानों को किया साथ ही महाकुम्भ क्षेत्र में कल्पवास भी किया जिसमें प्रतिदिन नदी में स्नान करना, ध्यान करना और सख्त शाकाहारी जीवन शैली शामिल हैं। उन्होंने इस दौरान स्वामी कैलाशानंद गिरि से 'कमला' नामक अपना हिन्दू नाम भी प्राप्त किया। टाइम्स ऑफ इण्डिया की रिपोर्ट के अनुसार श्रीमती लॉरेन पॉवेल जॉब्स ने प्रयागराज हवाई अड्डे से पहली अंतर्राष्ट्रीय उड़ान भी भरी। फिल्म फेयर डॉट कॉम की रिपोर्ट के अनुसार कोल्डप्ले के मुख्य गायक क्रिस मार्टिन और अभिनेत्री डकोटा जॉनसन के साथ कई फिल्मी हस्तियों ने महाकुम्भ के अनुष्ठानों में प्रतिभाग किया। इन सभी वैश्विक हस्तियों की महाकुम्भ–2025 में प्रतिभागिता के फलस्वरूप इस आयोजन की लोकप्रियता विश्व पटल पर स्थापित हुई।

भारत के लोकप्रिय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने भी प्रयागराज में स्थित गंगा, यमुना और सरस्वती नदियों की त्रिवेणी के संगम क्षेत्र में स्नान किया जो इस उत्सव के गहन सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक महत्व को रेखांकित करती है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी, गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र भाई पटेल, असम के मुख्यमंत्री श्री हिमंता बिस्वा शर्मा और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस की प्रतिभागिता से भी महाकुम्भ आयोजन के अखिल भारतीय महत्व का विस्तार हुआ है। फिल्मी दुनिया के अनेक भारतीय सितारों तथा उद्योग जगत के वैश्विक सितारों गौतम अडानी और मुकेश अम्बानी ने भी इस आयोजन में अपनी उपस्थिति दर्ज करायी।

महाकुम्भ–2025 में लगभग 663 करोड़ से अधिक श्रद्धालु एकत्रित हुए जो अनेक अनुमानों से कहीं अधिक था। तीर्थयात्रियों एवं पर्यटकों की भारी उपस्थिति के फलस्वरूप लगभग 3 लाख करोड़ रूपये का व्यापार सृजित होने का अनुमान है। उत्तर प्रदेश राज्य सरकार ने इस आयोजन से लगभग 54,000 करोड़ रूपये के राजस्व का अुनमान लगाया है। केन्द्र सरकार एवं उत्तर प्रदेश की राज्य सरकार ने महाकुम्भ–2025 के आयोजन के लिए क्रमशः रू015,000 करोड़ एवं रू07,000 करोड़ का आवंटन किया था। इस धनराशि के द्वारा निम्न प्रमुख कार्य संपन्न कराये गये–

1- यातायात को सुगम बनाने के लिए प्रयागराज में 14 नये फ्लाई ओवर और 6 अंडरपास का निर्माण और 200 से अधिक सड़कों का चौड़ीकरण प्रस्तावित किया गया।
2- प्रयागराज शहर में यात्रियों की बढ़ती आवक के फलस्वरूप रेलवे स्टेशनों का विस्तार किया गया और आधुनिक हवाई अड्डे के टर्मिनल का विकास कर अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाया गया।
3- उन्नत सुविधाओं, स्वच्छता और भीड़ प्रबन्धन प्रणाली की विशेष व्यवस्था।
4- आयोजन के दौरान 15 किमी0 लंबे पक्के घाट, 1,850 हेक्टेयर पार्किंग स्थल, 31 पोंटून पुल, लगभग 67,000 स्ट्रीट लाइट्स, 1.5 लाख शौचालय और 25,000 सार्वजनिक आवासों का निर्माण किया गया।
5- मेला क्षेत्र में वित्तीय लेन–देन को सुगम बनाने के लिए 16 बैंकों की शाखाएं स्थापित की गईं जिनमें 37 करोड़ रूपये के लेने–देन रिकार्ड किए गये। इसके अतिरिक्त 50 मोबाइल यूनिट सहित 55 ए0टी0एम0 भी स्थापित किए गये।

इन अवसंरचनात्मक परिवर्तनों के फलस्वरूप मेले में तीर्थयात्रियों एवं पर्यटकों की पर्याप्त आवक सुनिश्चित हुई जिससे मेले की अर्थव्यवस्था को मजबूत आधार मिला।

महाकुम्भ–2025 के दौरान अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में 12 लाख से अधिक रोजगार का सृजन हुआ है। साथ ही सी0ए0आई0टी0 के अनुसार इस आयोजन से लगभग 3,00,000 करोड़ रूपये का व्यापार सृजित होने का अनुमान

है। इस बृहत आयोजन के फलस्वरूप स्थायी एवं अस्थायी दोनों प्रकार के रोजगार सृजित हुए। महाकुम्भ के दौरान रोजगार सृजन की दृष्टि से निम्न बिन्दु उल्लेखनीय हैं–

1- पर्यटन एवं आतिथ्यः होटलों, लॉजों, गेस्ट हाउसों और होम स्टे को मिलाकर लगभग 6,00,000 से अधिक रोजगार सृजन का अनुमान है। इस रोजगार सृजन के फलस्वरूप आतिथ्य उद्योग की राजस्व आय में पर्याप्त वृद्धि हुई है। एक अनुमान के अनुसार पर्यटन एवं आतिथ्य क्षेत्र से 75,000 करोड़ रूपये के व्यापार का सृजन होने का अनुमान है। इनमें बड़े होटलों, गेस्ट हाउसों से अधिक व्यापार होम स्टे द्वारा सृजित होने का अनुमान है।

2- खुदरा एवं एफ0एम0सी0जी0ः महोत्सव परिसर के भीतर 2,50,000 से अधिक छोटे विक्रेता कार्यरत थे जो खाद्य पदार्थ, धार्मिक वस्तुएं और दैनिक उपयोग की आवश्यक वस्तुएं बेच रहे थे। अखिल भारतीय व्यापारी संघ (सी0ए0आइ0टी0) के अनुमानों के अनुसार श्रद्धालुओं की दैनिक आवश्यकताओं से ही लगभग 60,000 करोड़ का व्यापार होने की सम्भावना है।

क0सं0	क्षेत्र	अनुमानित योगदान(करोड़ रू0 में)*
1.	पर्यटन एवं आतिथ्य	75,000
2.	परिवहन	50,000
3.	खुदरा एवं एफ0एम0सी0जी0	60,000
4.	भोजन एवं पेय पदार्थ	45,000
5.	स्थानीय हथकरघा उद्योग	30,000
6.	विविध	40,000
कुल		**3,00,000**

*डाटा स्रोतः https://economictimes.indiatimes.com/

3- परिवहन और लॉजिस्टिक्सः यात्रा की मांग में वृद्धि के साथ ड्राइवरों, कंडक्टरों, लॉजिस्टिक्स, कर्मचारियों और परिवहन ऑपरेटरों के लिए लगभग 2,00,000 लाख नौकरियां सृजित हुईं। इस क्षेत्र द्वारा 50,000 करोड़ रूपये का व्यापार सृजित किये जाने का अनुमान है।

4- अस्थायी आवास, स्वच्छता और शहरी सेवाओं की माँग के कारण आयोजन समन्वय, सुरक्षा और रखरखाव सेवाओं में 1,50,000 से अधिक नौकरियों का सृजन हुआ।

5- स्थानीय हथकरघा उद्योग क्षेत्र को भी रोजगार सृजन संबंधी लाभ प्राप्त हुए। इस क्षेत्र में रोजगार सृजनों से लगभग 30,000 करोड़ रूपये का कारोबार सृजित होने का अनुमान है।

महाकुम्भ–2025 के दौरान नाव संचालन भी स्थानीय स्तर पर व्यापार सृजन एवं राजस्व प्राप्तियों के बड़े स्रोत के रूप में उभरा। इस आयोजन के दौरान नाव यात्रा की दरों में अत्यधिक उछाल बना रहा है। यह दर प्रति 10 सवार के लिए रू0 6,000 से लेकर रू0 30,000 तक रहा। इस संबंध में महारा परिवार की कहानी उल्लेखनीय है।

सेवा	मानक दर (रू0 में)	अधिकतम दर (रू0 में)
10 सवारों के लिए	6,000	30,000

महाकुम्भ–2025 के दौरान विभिन्न क्षेत्रों द्वारा रोजगार सृजन निम्नवत रहा–

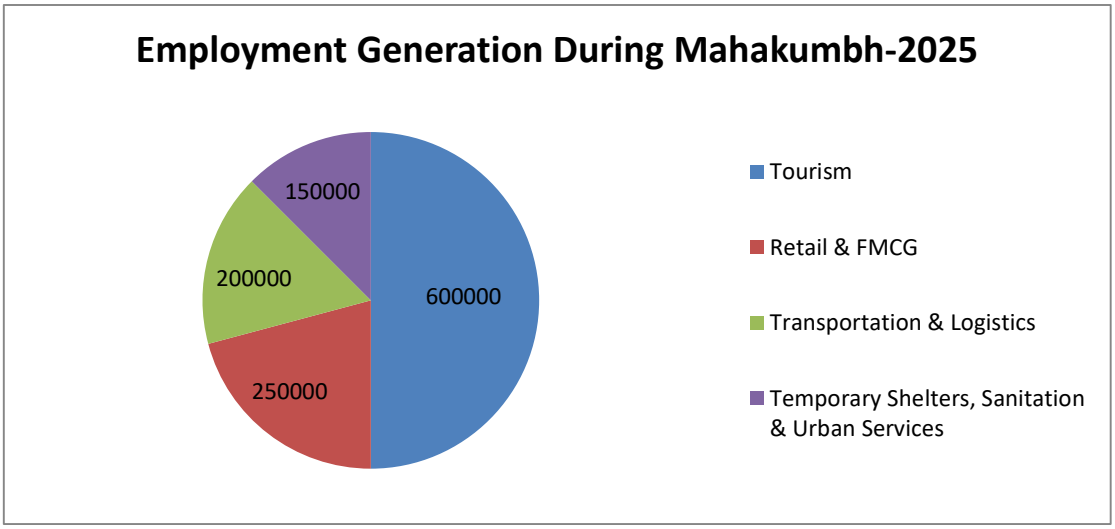

महाकुम्भ–2025 से जहाँ 3,00,000 करोड़ का व्यापार सृजित हुआ है वहीं दूसरी ओर महाकुम्भ रूपी अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों से लगभग 2,00,000 करोड़ की राजस्व आय भी प्राप्त हुई है। इस आयोजन से भारतीय अर्थव्यवस्था के सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में लगभग 1% की वृद्धि अनुमानित है।

क0सं0	क्षेत्र	अनुमानित राजस्व (करोड़ रू0)
1.	पर्यटन एवं आतिथ्य	34,000
2.	परिवहन	36,000
3.	खुदरा एवं एफ0एम0सी0जी0	30,000
4.	अवसंरचना एवं सेवाएं	50,000
5.	मीडिया एवं विज्ञापन	10,000
6.	विविध	40,000
कुल		**2,00,000**

*डाटा स्रोतः https://www.kotaksecurities.com/

महाकुम्भ–2025 के दौरान कई स्टार्टअप्स तथा कंपनियों ने प्रौद्योगिकी एवं नवाचार के माध्यम से श्रद्धालुओं के मेले के अनुभव को शानदार बनाने का प्रयास किया। जी0आई0एम0एस0 मेडिकल इनक्यूबेशन सेंटर में विकसित फेमटेक स्टार्टअप माइल्डकेयर्स ने महाकुंभ में मासिक धर्म हाइजीन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए सत्यकाम संगठन के साथ गठजोड़ किया। शैक्षिक सत्रों, उत्पादों और चर्चा के माध्यम से मासिक धर्म से जुड़ी वर्जनाओं को दूर करने का प्रयास किया गया। यह स्टार्टअप इस अवधि में हजारों श्रद्धालुओं तक पहुँचा और उन्हें स्वच्छ शौचालय खोजने में मदद की साथ ही श्रद्धालुओं को मासिक धर्म स्वच्छता उत्पाद और खड़े होकर पेशाब करने संबंधी उपकरण प्रदान किए। ऑटो टेक प्लेटफॉर्म पॉर्क ने महाकुम्भ–2025 के दौरान स्मार्ट पार्किंग प्रबंध सिस्टम का प्रयोग लोगों को पार्किंग स्थल खोजने में मदद देने के लिए किया। इस ऐप की मदद से पर्यटक सरकारी मान्यता प्राप्त पार्किंग स्थलों को खोज सकते हैं, बुक कर सकते हैं और पहले से भुगतान कर सकते हैं। FASTag को इस ऐप में इंटीग्रेट करने से सहज और संपर्क रहित भुगतान संभव हो गया जिससे मानवीय हस्तक्षेप की आवश्यकता समाप्त हो गई। इस ऐप से लगभग 25 लाख वाहनों के लाभान्वित होने का अनुमान है। भौगोलिक सूचना प्रणाली से लैस कंपनी एलिस ने आवास, स्नान घाट, पार्किंग, सड़कें, यातायात अपडेट, मौसम, आपातकालीन सेवाएं और परिवहन

केंद्रों जैसी सुविधाओं की जानकारी प्रदान करने के लिए रियल टाइम ऐप लांच किया। इसी प्रकार भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम ने महाकुम्भ यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए नॉन फंजिबल टोकन आधारित ट्रेन टिकट पेश किया जो यात्रा प्रबंधन में ब्लाकचेन एकीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयोग रहा है। इसी प्रकार श्री मंदिर नामक एक आध्यात्मिक स्टार्टअप ने त्रिवेणी संगम पर व्यक्तिगत पूजा अर्चना, दूरस्थ दान के लिए महादान सेवाएं और पवित्र त्रिवेणी संगम जल की होम डिलेवरी की सुविधा प्रदान की। इसने वेदश्रम ट्रस्ट के साथ साझेदारी कर वी0आई0पी0 स्नान सेवाएं, निदर्शित भक्ति अनुभव और आवास की व्यवस्था प्रदान करने में मदद की। इसने अनुष्ठानों के लिए श्री पंचायती महानिरावनी अखाड़े के साथ मिलकर काम किया और श्रद्धालुओं को अनुष्ठान सेवाएं प्रदान कीं। इस स्टार्टअप के संस्थापक प्रशांत सचान ने इस आयोजन से कंपनी के राजस्व में 40% से 50% वृद्धि का अनुमान व्यक्त किया है।

व्यावसायिक गतिविधियों को सरल बनाने महाकुम्भ–2025 के आयोजन को सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए केन्द्र सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार ने विभिन्न वित्तीय नीतियाँ लागू कीं। इनमें से कुछ प्रमुख वित्तीय नीतियां निम्नवत हैं–

1- सार्वजनिक निजी भागीदारी (पी0पी0पी0): महाकुम्भ–2025 के दौरान सरकार ने बुनियादी ढांचे, सुरक्षा और सार्वजनिक सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए निजी कंपनियों के साथ सहयोग किया जिससे इस हेतु आवंटित राजस्व और संसाधनों का कुशल उपयोग सुनिश्चित हुआ।
2- कर प्रोत्साहनः महाकुम्भ–2025 के दौरान आवश्यक सेवाओं और उत्पादों की आपूर्ति करने वाले व्यवसायों को अस्थायी कर लाभ और जी0एस0टी0 छूट प्रदान की गई जिससे निजी उद्यमों की अधिक भागीदारी को प्रोत्साहन मिला।

महाकुम्भ–2025 के दौरान संचालित व्यवसायों से प्राप्त कर राजस्व ने उत्तर प्रदेश राज्य की वित्तीय स्थिति में महत्वपूर्ण योगदान दिया जिससे अर्थव्यवस्था के बुनियादी ढांचे में पुनर्निवेश संभव हो सका।

महाकुम्भ–2025 के आर्थिक लाभों को बताते हुए यदि महाकुम्भ से महारा परिवार को प्राप्त समृद्धि की चर्चा न की जाय तो महाकुम्भ के आर्थिक लाभों का विवेचन अधूरा ही रहेगा। महारा परिवार पीढ़ियों से प्रयागराज की पवित्र नदियों में नाव चलाकर गुजारा करता रहा था। 130 नौकाओं के बेड़े के साथ उनके परिवार ने महाकुम्भ–2025 के दौरान दिन–रात श्रद्धालुओं को पवित्र संगम तक पहुँचाने और नौका विहार का आनन्द उठाने में मदद किया। इस भव्य एवं विशालकाय आयोजन ने महारा परिवार को अभूतपूर्व आय दिलायी। मात्र 45 दिनों में महारा परिवार को 30 करोड़ से अधिक की आय हुई। महारा परिवार द्वारा दी गयी जानकारी के अनुसार उनके परिवार की प्रत्येक नौका ने प्रतिदिन औसतन रू050,000.00 से अधिक की कमाई की। इस प्रकार 45 दिनों में उनकी प्रत्येक नाव ने औसतन 23 लाख की कमाई की। गरीब महारा परिवार के लिए यह अभूतपूर्व आय किसी चमत्कार से कम नहीं था। नौकाएं जो उनके जीवनयापन का एक साधारण साधन थीं अब समृद्धि की चाबी बन गई थीं।

उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने महारा परिवार की समृद्धि को जनमानस के सामने प्रस्तुत किया। विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया कि महाकुम्भ केवल एक आध्यात्मिक आयोजन ही नहीं है बल्कि जनमानस के सशक्तीकरण का एक सशक्त साधन भी है। उन्होंने महारा परिवार की कहानी सुनाते हुए बताया कि किस प्रकार हम अपनी सदियों पुरानी परंपराओं के साथ सही अवसरों का लाभ उठाकर समृद्धि के उच्च शिखर पर पहुँच सकते हैं। उनके शब्दों में,''किसने सोचा होगा कि एक परिवार सिर्फ नाव चलाकर इतने कम समय में 30 करोड़ रूपये कमा सकता है?'' यह स्पष्ट करता है कि महाकुम्भ–2025 मात्र आस्था का ही नहीं बल्कि विकास, प्रगति और अवसरों का भी प्रतीक है।

महाकुम्भ–2025 ने आध्यात्मिक उत्साह के बीच ऐसे आर्थिक परिवर्तनों को जन्म दिया जिसकी कल्पना शायद किसी ने भी न की होगी। साधारण जीवनयापन करने वाले नाविक से लेकर खुदरा दुकानदारों, उत्साही स्टार्टअप कंपनियों, उद्यमियों और नवप्रवर्तकों सभी को महाकुम्भ–2025 ने पर्याप्त समृद्धि प्रदान की है। महाकुम्भ–2025 जैसे मेलों का आयोजन यह स्पष्ट करता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था में मंदी के लिए कोई स्थान नहीं है। भारतीय त्योहार एवं

महाकुम्भ जैसे मेले अकेले ही समय–समय पर प्रचुर माँग सृजित कर भारतीय विकास रूपी रथ के पहिये को अनवरत चलाते रहने में सक्षम हैं।

संदर्भः

1. Brown, A, 2018, Religious Tourism and Economic Impact, Urban Press.
2. अग्नि पुराण, कुम्भ मेला और धार्मिक आयोजन की प्रक्रियाएं।
3. उत्तर प्रदेश सरकार, 2022, कुम्भ 2019 की रिपोर्ट, अनुभव और सबक, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।
4. गरूड़ पुराण, महाकुम्भ स्नान और मोक्ष का महत्व।
5. द हिन्दू, 15 मई, 2023, महाकुम्भ–2025: योजना और प्रबंधन की चुनौतियाँ।
6. भारत सरकार, पर्यटन मंत्रालय, 2022, महाकुम्भ–2025 आयोजन की रूपरेखा और योजना, नई दिल्ली, भारत सरकार।
7. वेद और उपनिषद (ऋगवेद, अथर्ववेद, सामवेद), धार्मिक अनुष्ठानों और नदियों की महिमा का वर्णन।
8. महाकुम्भ–2025 का आर्थिक प्रभावः आस्था से समृद्धि तक, ज्योति शुक्ला, महाराष्ट्र आर्थिक विकास मंडल https://www.medcindia.com/articledetail.php?page=1&ele_id=NOR_6847d08e4dd338.04467478
9. Effect of Kumbh Mela (2025) on Indian Economy https://www.iemsbschool.org/effects-of-maha-kumbh-mela-2025-on-indian-economy/
10. All Finance Journal. (2025). Socio-economic and cultural impact of the Prayagraj Kumbh Mela 2025. Retrieved from https://www.allfinancejournal.com/article/view/452/8-1-44
11. Bussiness Opportunities in Maha Kumbh: A Study on Impact of Maha Kumbh Mela on Bussiness Entrepreneur, Dr. Gaurav Som and three others (2025), Journal of Neonatal Surgery (ISSN: 2227-0439), Vol-14, Issue-30, Pg: 335-341
12. https://spmrf.org/case-study-economic-and-digital-impact-of-maha-kumbh-on-uttar-pradeshs-economy-and-role-of-the-unsung-heroes/
13. https://www.dnb.co.in/files/reports/Kumbhonomics-2025.pdf
14. https://www.researchgate.net/publication/396441944_Maha_Kumbh_2025_The_Economic_Impact_on_Society